

तारीख हुकम

नम्बर
अहकाम
हुकम के
में जा

व अतर्प्य जेव्या 1, 2 सम्पूर्ण 2 वाक्य
 हे पिछे बिना विधिकत नटवारे
 के अतर्प्य जेव्या 1 व 2 विप्रति
 नर्य नर रहे है। हमने सम्पूर्ण
 पत्रावली का अवलोकन किया
 बहस पर धन्य किया। प्रथम दृष्टि
 मानना प्रयोग के पत्र में
 बनने के सह नियम किया जाता
 है कि पूरा काह के नियम
 तबु बिना विधिकत विधान के
 विप्रति नर्य रही किने जाने हेतु
 अतर्प्य जेव्या 1 व 2 को पालन
 किया जाता है। पत्रावली केवल
 सुधार हेतु नजर के काम में।
 अतः उपरोक्त माम में सुनाया गया



आचार्य गोयल
 सहायक जलियत एडवोकेट
 उच्च न्यायालय, जयपुर
 जिला निकाय, जयपुर

13/12/2018
 10/12/2018
 10/12/2018